STD. VIII HINDI LIT (कौरव नगरी भाग- 5)

प्रश्न उत्तर:-

प्रश्न 1. कुछ भी क्या देख सके अब तक महाराज- प्रहरी ऐसा क्यों कहते हैं?

उत्तर :-प्रहरी ,राजा को धिक्कारते हुए कहते हैं कि वह राजा जो अपने राज्य में हो रहे षड्यंत्र को न देख सका, दुर्योधन व शकुनि के अनैतिक व छलपूर्ण खेल को न समझ सका तो वह राजा भला हस्तिनापुर में मँडराते गिद्धों का तात्पर्य क्या समझ पाएगा! उसके लिए यह समझना असम्भव था कि भारी संख्या में गिद्धों का उड़ना राज्य के विनाश का संकेत है।

प्रश्न 2. गिद्धों को भूखा बादल क्यों कहा गया है?

उत्तर :- उस समय हस्तिनापुर में इतने ज़्यादा गिद्ध उड़ रहे थे, मानो काले-काले बादल हों। जैसे आकाश में काले बादल उमड़- घुमड़ कर धरती पर बरस पड़ते हैं, उसी तरह गिद्धों का दल कुरुक्षेत्र की धरती पर मृत पड़े शरीरों पर बादल समान टूट पड़ेगा।

प्रश्न 3. ऐसा क्यों कहा गया है कि गांधारी कुशासन बिछाए बैठी है?

उत्तर:- कुशासन यानि ऐसा शासन, जहाँ स्वार्थ में सभी अंधे हो गए हों। जहाँ कुछ भी नीतिपरक न हो और उस अनीति के खिलाफ़ बोलने वाला भी कोई न हो।

गांधारी बहुत त्यागी व पतिव्रता थीं। पर वह भी हस्तिनापुर में हो रहे अन्याय के खिलाफ़ कुछ बोल नहीं पा रही थीं और ममता को सर्वोपरि मान रही थीं। उनके लिए न्याय अन्याय सब उनके पुत्रों पर ही समाप्त हो जाता था।

प्रश्न 4.धृतराष्ट्र संजय की प्रतीक्षा क्यों कर रहे थे?

उत्तर:- संजय को देव ऋषि वेदव्यास द्वारा दिव्य दृष्टि प्राप्त थी, जिसके कारण वे राज महल से ही कुरुक्षेत्र के मैदान में हो रही सारी घटनाओं का आँखों देखा हाल धृतराष्ट्र को सुनाते थे। युद्घ के अंतिम दिन संजय अभी तक नहीं आए थे। युद्ध भूमि की स्थिति से अवगत होने के लिए सभी व्याकुल थे और संजय की प्रतीक्षा कर रहे थे।